पद १६७

(राग: जोगिया - ताल: धुमाळी)

ग्यानन के संग जावोरी तेरी सुधी बनेगी।।धु.।। दृश्य जगत सब त्यजहो आसा। आयेसो पग पाछे जावोरी।।१।। ज्ञानरूपमार्ताण्डप्रभू को। अति सुप्रेमे मनावोरी।।३।।